पहने केसरिया बागा | By Sachin Agarwal |

पहने केसरिया बागा
बाबा मन ही मन मुस्काये
लीले पे सवार है
सजा दरबार है
फूले नहीं समाये
पहने केसरिया बागा
बाबा मन ही मन मुस्काये

सच्चा दरबार है
सजा श्रृंगार है
सांवरे से मिलने को
भीड़ अपार है
बाबाजी से मिलने
दर्शन करने
भक्त अनेको आये
पहने केसरिया बागा
बाबा मन ही मन मुस्काये

श्रृंगार देखा
हुआ मन दीवाना
भूल गये हम
सर को झुकाना
लुट रईवारो
आरती उतारो
नज़र नहीं लग जाये
पहने केसरिया बागा
बाबा मन ही मन मुस्काये

कान्हा तुम्हारे
खेल निराले
भक्तों के जीवन में
करता उजाले
भक्तों की नैया
बीच भँवर से
बाबा तू ही पार लगाये
पहने केसरिया बागा
बाबा मन ही मन मुस्काये

खाटू में बैठा है
मन्दिर है प्यारा
तेरा प्यार माँगे है
संसार सारा
लाखों हैं तेरे
दुनिया में बेटे
सबको गले लगाये
पहने केसरिया बागा
बाबा मन ही मन मुस्काये

आज के दिन यो
श्याम रिझाये
सांवरे से मुँह माँगा
वरदान पाये
खुश हो करके
अपना ख़ज़ाना
बाबा खूब लुटाये
पहने केसरिया बागा
बाबा मन ही मन मुस्काये

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87%e0%a4%b8%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%be-by-sachin-agarwal/